Sh.
61

२२१.१
अस्त्रा।

पी. सं. 4172 (48)

मुञ्जाकर्म (गुरुमुखी लिपि)
कर्मकाण्ड
३१-३१४०

61

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

ाति ष्ठमायनमो ज्येष्ठायनमो कनिष्ठायनम
श्चक्षेत्रमध्यमायनमो मन्त्रायनमो वाचेनमो
सूक्ष्माल नमः सूत्रायनमः उग्रायनमः त्रिशूलं
ठेहं नमिषद्भ्यश्च नमः पञ्चवक्त्रायच सद्भ्य
न नमो गायत्रीछन्दोगतीवधद्भ्य नमः प
क्षिष्ठगतिकं सोवधद्भ्य नमो वनस्पतिक्षित
धद्भ्य नमः पितृभ्यः पौत्रेवधद्भ्य नमः सू
र्यादीनां पानेवधद्भ्य नमः क्षत्रधुवधद्भ्य
नमः यो विश्वमगतवि श्वतोमुखो विश्वतोहस्त
उतविश्वतस्पात् सम्बाहुभ्यां नमति सं पतत्रैर्द्या
पृथिवी जनयन्देव एकः ॥ त्रिशूलमृगहस्त
ले रुद्रवक्त्रभीषणं मम्भिरुरुस्थूलज्वले
धहस्तु भक्त गोर्योयं त्रिमूर्तिचर्तुर्दुनता
सुभ्रातृभक्तितो मेघः प्रागुदिधमपे येयव
भूयाय माननीयं नियतं निकमनिक मेतः प
लसौवक्ष ... लवजीत्रापधयः पसुर्जयोमे

ॐ
८
१

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

उपेन्द्रोऽङ्कुशद्विरदोद्धि || सर्वेदेवीगणैस्सह
क्षेत्रपालवरप्रीतये मन्त्रीशगणैर्वृतः || स
न्निधिं कुरु विघ्नेश सर्वसिद्धिप्रदायक विघ्न
माला पुस्तकधारिणः वरदाभयहस्ताय ब्रह्म
णा विष्णुरुद्रेण शाम्भवः || एकदन्त विघ्न
राज गजवक्त्र त्रिनेत्र महाबल विघ्नराज
चतुर्भुजं भूषितं त्र्यम्बकं सिद्धिबुद्धि
सहितः ॐ ह्रीं धूम्रवर्णाय लम्बोदराय नमः
ॐ ह्रीं कङ्कालाय महावत्राय देवाय नमः
ॐ ह्रीं गजवक्त्राय पाशं विनायकाय नमः
ॐ ह्रीं उग्रभैरवाय ह्रीं क्लीं कुमाराय नमः
ह्रीं विघ्नदेवाय ह्रीं नमः रुद्राय नमः ॐ ह्रीं
एकदन्ताय लम्बोदराय कृष्णवर्णाय महा
मूलाधारदेवाय एकदन्ताय भयापहा
ग्रि मूलदेवाय नमः || ॐ ह्रीं मूलदेवाय
८: गणेशाय शिवपुत्राय सर्वसिद्धिप्रदाय श्रीगणेश
७

मह्नं गलो
स्रु ३०

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible] त्रिभिः लोकस्य त्रिभिः लो-
कस्य त्रिभिः लोकस्य त्रि[illegible] लोकस्य [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

सतीनषणीभूव तपे सप सङ्गेठव द्भुतरिकं
केहष्ठपुति सप स चै सप्नु ि सुते सतेरात्र
रेस द्धते द्धते षसगति स[illegible]तेष स्सद्धा नु
सणिपगिठत्ब रष्टु सत्र द्धा िराल सर्व
सरापराड्ड सव सत्नु त भिनसा । तवीर
नसीवृविवक्न्लौ तत्नु हस्र सत्नी वापिवुमे
तनः तेस ह्नु पृथिवी नाम्नि ति तेन दवीसि
तेन सप्तु तसनसः यदवै सेवा चन्द्र त्रुन
सिएतस्मै तु सेभूवलोकः सेवा चन्द्र सि
ह्नु य स्मै सिद्धु सस्मै सिद्धु ससस्मै याण्वं सिन
सिद्धु तस्मै यो विश्व सकन्त विश्व तेसापे विश्व
तेकसु तत विश्व तस्नग । सध्य स्ततवसतेस
हलैहुव पृथिवीलनय चेवाण्कुः
यष्ठष्ठे सप [illegible] तपे यष्ठष्ठे पष्ठवे यते
सत्[illegible]तेस क्षिपति ति विस अं सरधत स
दसे [illegible] दसीसि गेमिभ्रय सलिला नि त[illegible]

ति
३५

